



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 8] नई विल्हेम, बृद्धधार, जम्मू 12, 1977/पौष 22, 1898

No. 8] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 12, 1977/PAUSA 22, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न की जाती है जिससे कि पहले अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

### MINISTRY OF COMMERCE

#### PUBLIC NOTICE

#### IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 12th January 1977

SUBJECT—Import of spare parts—Issue of licences to actual users for the licensing period April 1976—March 1977.

No. 3-ITC(PN)/77.—Attention is invited to Open General Licence No C-IV issued under Import trade Control Order No 21/76, dated the 22nd November, 1976, in terms of which general permission has been granted to actual users for import of permissible spare parts meant for maintenance of imported machinery or imported parts of indigenous machinery, without an import licence, subject to certain specified conditions

2. It is clarified that under the provisions of OGL No C-IV issued under Import Trade Control Order No 21/76, dated the 22nd November, 1976 referred to above, import of all spare parts allowed to actual users on a restricted basis as well as those import of which is allowed in consultation with the Directorate General of Technical Development, in terms of the policy indicated in Section II of the Import Trade Control Policy Red Book (Vol I) for the period April, 1976—March 1977 will be allowed for import. However, ball bearings cylindrical roller bearings, tapered roller bearings needle roller cages and needle roller bearings which are shown as restricted in Appendix 14 of the Import Trade Control Policy Red Book (Vol I) for the period April 1976—March 1977, will not be allowed for import under the aforesaid Open General Licence

3 In regard to import of non-permissible spare parts required for maintenance of imported machinery or imported parts of indigenous machinery installed or used in the factory, including spare parts of ancillary equipment, control and laboratory equipments and safety appliances, it has been decided to grant licences to actual users for import of such non-permissible spare parts on the basis of one percent of the *c.i.f.* value of imported machinery installed or used in the licence holder's factory, subject to the following conditions:—

- (i) the value of a single non-permissible spare part should not exceed Rs. 50,000.00.
- (ii) Import of electric motors, process pumps, compressors, non-permissible in terms of import policy for the licensing period 1976-77, not exceeding one piece each will only be allowed against licences issued for non-permissible spare parts.
- (iii) In the case of actual users requiring more than one number of the aforesaid items, requests will be considered by the licensing authorities on the recommendation of the sponsoring authorities concerned, subject to clearance from indigenous angle by the DGTD.

4 Actual Users desiring to avail of the above facility may submit applications direct to the licensing authorities concerned in the prescribed form and manner alongwith list of non-permissible spare parts (seven copies) with a declaration to the effect that the items proposed to be imported are spares and are required by the actual users for the maintenance of machinery and equipment installed or used in their factory, including spare parts of ancillary equipment, control and laboratory equipments and safety appliances

5. Import licences against applications received in terms of para (4) above will be granted alongwith list of goods without any further scrutiny from indigenous angle or recommendation of the sponsoring authority. Applications, in terms of this public notice, may be made to the licensing authorities concerned in the prescribed form 'Q' given in Appendix 3 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1976-77, to the licensing authorities concerned on or before 31st March, 1977. Applications received after this date will not be entertained

6. Actual Users who have already been granted licences for import of spare parts in terms of the import policy for the period 1976-77 can import non-permissible spare parts upto 20 per cent of the face value of licence in terms of para 51 of Section I of the Red Book Vol. I for April 1976—March 1977. In case, however, such actual users desire to avail of the provisions of this public notice, they are eligible to apply for a licence for import of non-permissible spare parts provided they surrender their licence(s) already issued for spare parts for the period April, 1976—March 1977, alongwith their application made in terms of para 4 of the Public Notice.

7. Requests from actual users for grant of licence for import of non-permissible spare parts in excess of the prescribed limit in terms of para 3 of this Public Notice will be considered by the licensing authorities on the recommendation of sponsoring authorities concerned. All such applications should be made through the sponsoring authorities concerned with full justification for licence for higher value and other relevant details. The last date for receipt of such applications will be 31st March, 1977

8 It is also clarified that actual users, in addition to the issue of licences for import of non-permissible spare parts in terms of this public notice, will be eligible to import non-permissible spare parts upto 5 per cent of the value of actual user licence for raw materials and components and upto 10 per cent of the value of REP licence, as at present allowed in terms of the import policy for April, 1976—March 1977.

9. Import policy for the licensing period April 1976—March 1977, as given in Import Trade Control Red Book (Vol I) for the period April, 1976—March 1977, may be deemed to have been amended to the extent indicated above.

A. S. GILL,  
Chief Controller of Imports & Exports.

## वाणिज्य भारत

## सार्वजनिक सूचना

## आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1977

**विषय।**—फालतू पुर्जों का आयात नाइसेंस अवधि अप्रैल, 1976—मार्च, 1977 के लिए वास्तविक उपयोक्ताओं को लाइसेंस जारी करना।

**सं. 3—आई० दी० सी० (पो० एम०) / 77**—आयात व्यापार नियन्त्रण आदेश सं 21/76 दिनांक 22 नवम्बर, 1976 के अन्तर्गत जारी किए गए खुले सामान्य लाइसेंस सं सी-4 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसके अनुसार वास्तविक उपयोक्ताओं को बिना किसी आयात लाइसेंस के ही, आयातित मणीनरी के रख-रखाव के लिए अनुमेय फालतू पुर्जों या देशी मणीनरी के आयातित पुर्जों के आयात के लिए कुछ विशेष शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति प्रदान की गई है।

2. यह स्पष्ट किया जाता है कि उपर्युक्त आयात व्यापार नियन्त्रण आदेश सं 21/76 दिनांक 22 नवम्बर, 1976 के अन्तर्गत जारी किए गए खुले सामान्य लाइसेंस सं सी-4 के उपबन्धों के अधीन जिन फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति वास्तविक उपयोक्ताओं को प्रतिबन्धित आधार पर है वे उन सभी फालतू पुर्जों के लिए और जिन फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति अप्रैल, 1976—मार्च 1977 अवधि की आयात व्यापार नियन्त्रण नीति रेल बुक (वा० 1) के खण्ड 2 में निर्दिष्ट नीति के अनुसार महानिदेशालय तकनीकी विकास के परामर्श से दी जाएगी उन सभी फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति उनको दी जाएगी। लेकिन, बाल बेयरिंग, सिनेपिंड्रिकल रोलर बेयरिंग, टेपर्ड रोलर बेयरिंग, नीडल रोलर केजिज और नीडल करोलर बेयरिंग जो अप्रैल 1976—मार्च 1977 अवधि की आयात व्यापार नियन्त्रण नीति रेल बुक (वा० 1) के परिशिष्ट 14 में प्रतिबन्धित रूप में दिखाए गए हैं उनके आयात की अनुमति पूर्वोक्त खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन नहीं दी जाएगी।

3. आयातित मणीनरी के रख-रखाव के लिए अपेक्षित गैर-अनुमेय फालतू पुर्जों या कारखाने में लगाई गई या उपयोग की गई देशी मणीनरी के आयातित पुर्जों, जिनमें अनुषंगी उपस्कर, नियन्त्रण तथा प्रयोगशाला उपस्कर के फालतू पुर्जों और सेंकटी उपकरण सामिल है, के आयात के सबंध में यह निश्चय किया गया है कि ऐसे गैर-अनुमेय फालतू पुर्जों के आयात के लिए लाइसेंसधारी के कारखाने में लगाई गई या उपयोग की गई आयातित मणीनरी के लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के एक प्रतिशत के आधार पर निम्नलिखित शर्तों के अधीन वास्तविक उपयोक्ताओं को लाइसेंस प्रदान किए जाएः—

- (i) केवल एक गर-अनुमेय फालतू पुर्जों का मूल्य 50,000/- रुपए से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (ii) इलेक्ट्रिक मोटर, प्रोसेस पम्प, कंप्रेसर्स जिनकी 1976-77 लाइसेंस अवधि की आयात नीति के अनुसार अनुमति नहीं है, में से प्रत्येक के अधिक से अधिक एक बग के आयात की अनुमति केवल गैर-अनुमेय फालतू पुर्जों के लिए जारी किए गए लाइसेंसों के आधार पर दी जाएगी।

(iii) पूर्वोक्त मदो के एक नग से ग्राहिक सम्भा चाहने वाले वास्तविक उपयोक्ताओं के मामले में उनके आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा सबंध प्रायोजक प्राधिकारियों की सिफारिश पर और मंहामिंदेशालय तकनीकी विकास द्वारा दसी दूष्टिकोण से निकासी कर देने पर विचार किया जाएगा।

4. उपर्युक्त सुविधा को उपलब्ध करने की इच्छा रखने वाले वास्तविक उपयोक्ता गैर-अनुमेय फालतू पुजों की सूची (सात प्रतियों) के साथ निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से आवेदन पत्र सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारियों को इस संबंध में घोषणा करते हुए प्रस्तुत करें कि आवात करने के लिए प्रस्तावित मदे फालतू पुजों हैं और उन्हें उनकी आवश्यकता अनुषंगी उपस्कर के फालतू पुजों नियन्त्रण तथा प्रयोगशाला उपस्करों और सेपटी उपकरणों सहित, उनके कारखाने में लगाई गई या उपयोग की गई मशीनरी और उपस्करों के लिए है।

5. उपर्युक्त पैरा (4) के अनुसार प्राप्त हुए आवेदन पत्रों के मद्देश आयात लाइसेंस माल की सूची के साथ बिना किसी देशीय हृष्टिकोण से आगामी छानबीन या प्रयोजक प्राधिकारी की सिफारिश के प्रदान किए जायेंगे। इस सार्वजनिक सूचना के अनुसार आवेदन पत्र आयात व्यापार नियन्त्रण नियम एवं क्रिया विधि हैड बुक 1976-77 के परिशिष्ट 3 में दिए गए निर्धारित प्रपत्र 'कू' में संबंधित लाइसेंस प्राधिकारियों को 31 मार्च 1977 को या इससे पहले भेज दिए जायें। इस तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

6. वे वास्तविक उपयोक्ता जिन्हे पहले से ही 1976-77 की अवधि के लिए आयात नीति के अनुसार फालतू पुजों के आयात के लिए लाइसेंस प्रदान कर दिए गए हैं वे अप्रैल 1976-मार्च 1977 के लिए रेड बुक (आ०-१) के खण्ड 1 के पैरा 51 के अनुसार लाइसेंस के अकित मूल्य के 20 प्रतिशत तक गैर-अनुमेय फालतू पुजों का आयात कर सकते हैं। लेकिन यदि ऐसे वास्तविक उपयोक्ता जो इस सार्वजनिक सूचना की व्यवस्थाओं को उपलब्ध करना चाहते हैं वे गैर-अनुमेय फालतू पुजों का आयात करने के लिए लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं बशर्ते कि वे अप्रैल 1976-मार्च 1977 की अवधि के लिए फालतू पुजों के लिए पहले से ही जारी किए गए लाइसेंस (लाइसेंसों) को इस सार्वजनिक सूचना के पैरा 4 के अनुसार भेजे गए आवेदन पत्र के साथ वापस कर देते हैं।

7. इस मार्वजनिक सूचना के पैरा 3 के अनुसार निर्धारित सीमा से ग्राहिक के गैर-अनुमेय फालतू पुजों के आयात के लिए लाइसेंस प्रदान करने के लिए वास्तविक उपयोक्ताओं के आवेदनों पर सबंधित प्रायोजक प्राधिकारियों की सिफारिश पर विचार किया जाएगा। ऐसे सभी आवेदन पत्र संबंधित प्रायोजक प्राधिकारियों के माध्यम से उच्च मूल्य के लाइसेंस के लिए पूर्ण श्रौचित्य और अन्य संगत विवरणों के साथ भेजे जाने चाहिए। ऐसे आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 31 मार्च, 1977 होगी।

8. यह भी स्पष्ट किया जाता है कि इस सार्वजनिक सूचना के अनुसार गैर-अनुमेय फालतू पुजों के आयात के लिए जारी किए गए लाइसेंसों के अतिरिक्त वास्तविक उपयोक्ता अप्रैल 1976-मार्च 1977 के लिए आयात नीति के अनुसार हाल में अनुमेय किए गए कच्चे माल और संधटकों के लिए वास्तविक उपयोक्ता लाइसेंस के मूल्य के 5 प्रतिशत तक और आरा० ई० पी० लाइसेंस के मूल्य के 10 प्रतिशत तक के गैर-अनुमेय फालतू पुजों के आयात करने के पात्र होंगे।

9. अप्रैल 1976—मार्च 1977 की अवधि के लिए आयात व्यापार नियंत्रण रेज बुक (वा०-१) में यथा निहित अप्रैल 1976—मार्च 1977 की लाइसेंस अवधि के लिए आयात नीति को उपर्युक्त अकित सीमा तक संशोधित किया गया समझा जाए।

ए० ए० गिल,

मुख्य नियंत्रक आयात-नियात।

---

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई चिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,  
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

